मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

26 जनवरी, 2025

गणतन्त्र दिवस समारोह

दिनाँक 26 जनवरी, 2025 को विश्वविद्यालय में गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। जिसमें माननीया कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, सभी विद्या शाखाओं के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

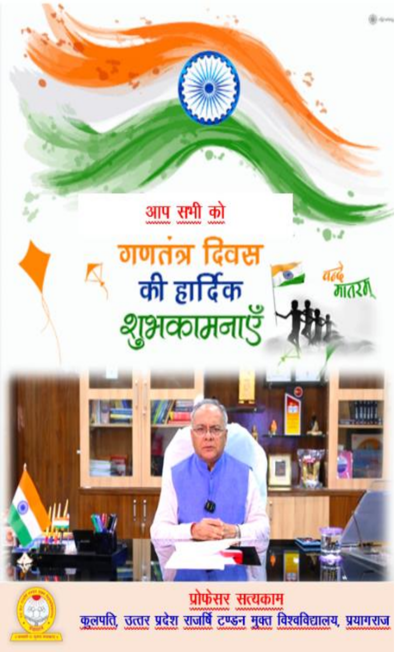

ध्वजा रोहण के लिए जाते हुए माननीय कुलपति, प्रोफेसर सत्यकाम जी तथा साथ में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

ध्वजा रोहण करते हुए माननीया कुलपति, प्रोफेसर सत्यकाम जी एवं उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

राष्ट्रगान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

राष्ट्र के विकास में मुक्त विश्वविद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण– कुलपति

सम्पूर्ण विश्व के आदर्श लोकतंत्र के गणतंत्र दिवस को कोटि कोटि प्रणाम एवं समस्त देशप्रेमियों को राष्ट्र के महापर्व गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।
आइये! इस ऐतिहासिक दिन संकल्प लें कि देश की एकता, अखंडता को सदैव अक्षुण्ण रखेंगे और राष्ट्र विकास के पथ पर अग्रसर रहेंगे।

प्रोफेसर सत्यकाम
कुलपति

विश्वविद्यालय में रहकह हमें देश को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए।

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया ध्वजारोहण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने ध्वजारोहण किया । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राष्ट्र के विकास में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय पूरे प्रदेश में लोगों को शिक्षा प्रदान कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है।

विश्वविद्यालय की स्व अध्ययन पाठ्य सामग्री सर्वश्रेष्ठ पाठ्य सामग्री है। उन्होंने सभी शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि जुलाई सत्र के लिए सभी विषयों में 100% स्व अध्ययन सामग्री शिक्षार्थियों को देने के लिए अभी से तैयार कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को पूरे प्रदेश में सेवा करने का अवसर मिला है। पूरे प्रदेश में हमारे विद्यार्थी मुक्त विश्वविद्यालय के नाम को आगे बढ़ा रहे हैं। शिक्षार्थियों की सेवा विश्वविद्यालय के लिए सर्वोपरि है।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्व में भारत पहला राष्ट्र है, जहां गणतंत्र की स्थापना सबसे पहले हुई। हमें लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखना है। भारत को कई वर्ष तक कठिनाइयों से गुजरना पड़ा। राष्ट्र के विकास में कई महापुरुषों का अमूल्य योगदान है।

विश्वविद्यालय की छात्रा आयुषी त्रिपाठी के राज भवन में लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर आयोजित कविता पाठ में पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उन्होंने घोषणा की कि आयुषी की आगे की शिक्षा का शुल्क विश्वविद्यालय वहन करेगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के शोध छात्रों से कुम्भ क्षेत्र में जाकर ज्ञानार्जन की अपील की। उन्होंने रिसर्च गाइड से अपने शोध छात्रों को महाकुंभ की भव्यता का वर्णन करने के लिए उत्प्रेरित करने की अपील की। इसके साथ ही कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने महाकुम्भ के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किए गए कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम में बम्पर छूट प्रदान करते हुए प्रवेश शुल्क मात्र ₹500 करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के इस अवसर पर इस सुविधा का लाभ हजारों लाखों लोग एक साथ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर मौनी अमावस्या एवं बसंत पंचमी के अवसर पर देशभर से आने वाले स्नानार्थियों को अपने शिविर में ठहराने के लिए तत्पर है। जिसके लिए विश्वविद्यालय ने पर्याप्त व्यवस्था की है।

इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के साथ
विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के साथ
विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण